इन्द्रनन्दि योगीन्द्र प्रथम

जीवन-परिचय : प्रस्तुत इन्द्रनन्दि योगीन्द्र वे हैं जो मंत्रशास्त्र के विशिष्ट विद्वान थे। ये वासवनन्दि के प्रशिष्य और बप्पनन्दि के शिष्य थे। इन्होंने ज्वालिनीकल्प नाम के मंत्रशास्त्र की रचना की है।

गोम्मटसार के कर्त्ता नेमिचन्द सिद्धान्तचक्रवर्ती ने इन्द्रनन्दि को गुरु रूप में स्मरण किया है। ये इन्द्रनन्दि वही हैं, जिनके दीक्षागुरु बप्पनन्दि और मन्त्रशास्त्र गुरु गुणनन्दि और सिद्धान्तशास्त्र गुरु अभयनन्दि हैं।

आचार्य इन्द्रनन्दि योगीन्द्र का समय ई. सन् की दशम शताब्दी का पूर्वार्द्ध है।

रचना-परिचय : इनके द्वारा रचित एक ही ग्रन्थ प्राप्त होता है।

1. ज्वालामालिनी : ज्वालामालिनीकल्प मंत्रशास्त्र का उत्कृष्ट ग्रन्थ है। प्रस्तुत ग्रन्थ दश परिच्छेदों में विभक्त है। इस ग्रन्थ की समाप्ति मान्यखेट में शक सं. 861 ई. (सन् 939) में अक्षयतृतीया के दिन हुई थी।